2022

आजादी के बाद का स्वर्णिम भारत कक्षा 11 PDF

लगभग 200 वर्ष के कठोर संघर्ष के बाद 15 अगस्त, 1947 को भारत माता के क्षितिज पर स्वतंत्रता रूपी सूर्य का उदय हुआ था और हमारी अपनी सरकार सत्ता में आई ।

युगों की चिर निंद्रा के बाद भारत में नए जीवन का संचार हुआ, परंतु स्वतंत्रता पंजाब, सिन्ध और बंगाल के लोगों के लिए असीम दु:ख और पीड़ा अपने साथ लाई थी । बहुत से पुरुष, महिलाएं और बच्चे उस साम्प्रदायिक उन्माद का शिकार हो गए जो उस समय सारे देश में फैल गया था ।

स्वतंत्रता के शैशव काल में ही हमारे देश को बड़ी कठिन और जटिल समस्याओं का सामना करना पड़ा । देश का विभाजन हो गया और लाखों लोगों को बेघर होना पड़ा था । हमारी सरकार को उनका पुनर्वास करना पड़ा । उसी समय पाकिस्तान ने कबायली लोगों से कश्मीर पर हमला करवा दिया जबकि कश्मीर भारत में मिल गया था और भारत का एक अंग बन गया था ।

हैद्राबाद के रजवाड़ों ने हमारी सरकार के विरूद्ध विद्रोह कर दिया । दूसरे राजा-महाराजाओं ने भी स्वतंत्र राज्य बनाने के प्रयास किए । परन्तु ईश्वर का शुक्र है कि हमारे महान् नेताओं की सहायता से ये सभी कठिनाइयाँ दूर हो गई ।

स्वतंत्र भारत की प्रथम उपलब्धि देश की विभिन्न इकाइयों को इकट्ठा करना और लगभग 6 सौ राजाओं की रियासतों को देश में मिलाना था । उसने देश और उसके लोगों को एक कर दिया । 26 जनवरी 1950 को एक नए संविधान के अपनाए जाने के बाद भारत को एक 'गणतंत्र देश' घोषित कर दिया गया था ।

इसमें इसके सभी नागरिकों को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाई-चारे का आश्वासन दिया गया । इसमें हिन्दी को राष्ट्रभाषा और अन्य 18 भाषाओं को प्रादेशिक भाषा घोषित किया गया । इसमें यह घोषणा भी की गई कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है और यहाँ पर धर्म, वंश, जाति अथवा मत के आधार पर किसी व्यक्ति के साथ भेदभाव नही किया जाएगा ।

पिछले चार दशकों में, सामान्य वयस्क मताधिकार के आधार पर दस बार आम चुनाव हो चुके है । 1989 में हुए चुनाव के परिणामस्वरूप राष्ट्रीय मोर्चे की सरकारें केन्द्र तथा कई राज्यों में बनी । केन्द्र और राज्यों में सत्ता का स्थानान्तरण शांतिपूर्ण ढंग से होना, भारत में राजनीति का स्वरूप पूरी तरह से प्रजातांत्रिक होने का सूचक है।

पिछले पाँच दशकों में हमने आठ पंचवर्षीय योजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है । इससे हमारी अर्थव्यवस्था को शक्ति और स्थायित्व मिला है । भारत की प्रति व्यक्ति आय 1950-51 में 466 रूपए से बढ़कर 1996-97 में 9,377 रुपए हो गई है । कृषि और औद्योगिक उत्पादन दोनों क्षेत्रों में पर्याप्त उन्नति हुई है ।

अनाज का उत्पादन 1951-52 में 52 मिलियन टन से बढ़कर 1996-97 में 199.32 मिलियन टन से अधिक हो गया है। पंचवर्षीय योजनाओं की सफलताओं से प्रोत्साहित होकर भारत ने अब दंसवीं पंचवर्षीय योजना (2002-2007) शुरु की है । योजना में विकास की व्यापक दर 6 प्रतिशत रखी गई है ।
योजना की समाप्ति पर अनाज का उत्पादन 21 करोड़ टन हो जाएगा । ऊर्जा क्षमता के बढ़ कर 448 अरब किलोवाट हो जाने की सम्भावना है । योजना के अन्य लक्ष्य इस प्रकार है : बिक्री योग्य इस्पात की मात्रा को 142.6 लाख टन से बढ़ाकर 232.2 लाख टन करना; कच्चे पैट्रोलियम के उत्पादन को 310 लाख टन से बढ़ाकर 500 लाख टन करना, और हर वर्ष एक करोड़ नई नौकरियों का प्रबन्ध करना है ।

भारत ने आधुनिक समय की एक बहुत बड़ी चुनौती को स्वीकार किया है, अर्थात् शान्तिपूर्ण और अहिंसक उपायों से समाजवाद की स्थापना करना। भूख और बेरोजगारी को दूर करने के लिए योजनाओं में रखे गए लक्ष्यों की सर्वसत्तात्मक अथवा जबर्दस्ती के उपायों को अपना कर नहीं, बल्कि राजनैतिक तथा आर्थिक शक्तियों को निर्भीकतापूर्वक विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया द्वारा पूरा किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। भारत में प्रजातन्त्र की सफलता इन विकास योजनाओं के सफल संचालन पर ही निर्भर करती है।

निबंध – 2

प्रस्तावना- आजादी के बाद हमारा भारत स्वर्णिम भारत कहलाता है क्योंकि हमारे भारत देश में आजादी के बाद काफी तरक्की की। आजादी के बाद का भारत हम सभी के लिए काफी महत्वपूर्ण भारत रहा है हम सभी को अपने भारत देश पर गर्व है क्योंकि भारत देश सबसे अलग सबसे बढ़कर देश है।

स्वर्णिम भारत - स्वर्णिम भारत को देश के आर्थिक विकास, कई तरह के भारत देश के विकास से समझा जा सकता है दरअसल जब हमारा भारत देश अंग्रेजों का गुलाम था तो हमारे भारत देश में कई समस्याएं थी अंग्रेज हमारे भारत देश को हमारे भारत देश के लोगों को आगे नहीं बढ़ने दे रहे थे। भारत के लोगों पर कई तरह के अत्याचार वह कर रहे थे लेकिन जब हमारे भारत देश को आजादी मिली तो भारत देश स्वर्णिम भारत की तरह तेजी से आगे बढ़ा।

विकास की कई योजनाएं हमारे भारत देश में चलाई गई जिनका उद्देश्य भारत देश को विकसित देश बनाना था। आने वाले सालों में हुआ भी कुछ यूं कि हमारा भारत देश तेजी से विकसित हुआ आजादी के बाद से अब तक देश में कई तरह के विकास हुए।

शिक्षा के क्षेत्र में भी देश काफी आगे बढ़ा आज हम देखें तो गांव गांव में स्कूल खोले गए हैं बच्चे, बूढ़े, नौजवान सभी पढ़ाई के प्रति जागरूक हैं बच्चियों को भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाया जा रहा है उनकी शिक्षा की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इसके अलावा भारत देश में आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए सरकार ने कई कदम उठाये है। लोगों को रोजगार प्रदान किया, लोगों को जागरूक किया आज हमारे भारत देश की आर्थिक स्थिति भी पहले की अपेक्षा काफी बेहतर है।

लोगों को रोजगार मिले हैं और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी हमारा भारत देश काफी आगे बढ़ा है मोबाइल, इंटरनेट, कंप्यूटर के क्षेत्र में भारत देश में तेजी से तरक्की की है। लोग घर बैठे भी रोजगार पा रहे हैं इंटरनेट के माध्यम से भी लोग रुपए कमा रहे हैं। वास्तव में आजादी के बाद हमारे भारत देश मैं काफी कुछ विकास हुआ है यही है हमारा आजादी के बाद का भारत।

उपसंहार - आजादी के बाद हमारे भारत देश ने वास्तव में बहुत विकास किया है हम सभी को भी अपने भारत देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए और पूरी कोशिश करनी चाहिए कि हमारा भारत देश दुनिया में सबसे तेजी से प्रगति करने वाला देश बने। हम सभी को हमारे भारत देश पर गर्व करना चाहिए हमारे भारत देश से अच्छा देश कोई सा भी नहीं है।

All PDF Collection
PDF Seva